



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 03.06.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(3-9 जून 2024/ 3-9 June 2024)

<p>1.</p>	<p>देश के विभिन्न क्षेत्रों में सोयाबीन की बोवनी के उपयुक्त समय की जानकारी तालिका-1 में दी गई हैं। मध्य क्षेत्र के लिए जून माह के दुसरे सप्ताह से जुलाई माह के प्रथम सप्ताह का समय सबसे उचित होता। लेकिन सलाह हैं कि मानसून के आगमन के पश्चात ही, न्यूनतम 10 सेमी वर्षा होने की स्थिति में सोयाबीन की बोवनी करें। The second week of June to first week of July is optimum time for sowing of soybean. However, it is advised that the sowing may be done after the arrival of monsoon, ensuring nearly 100 mm rainfall. The zone-wise information about the time of sowing seed rate and spacings is given in Table-1.</p>
<p>2.</p>	<p>सोयाबीन की खेती के लिए आवश्यक आदान (बीज, खाद-उर्वरक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक, जैविक कल्चर आदि की जानकारी तालिका-2, 4 एवं 5 में दी गई हैं.) का क्रय एवं उपलब्धता सुनिश्चित करें। Ensure availability of other critical inputs (fertilizers, weedicides, fungicides and cultures for seed treatment etc. as given in Table-2, 3 and 5).</p>
<p>3.</p>	<p>उत्पादन में स्थिरता की दृष्टि से 3 वर्ष में एक बार खेत की गहरी जुताई करना लाभकारी होता हैं। अतः ऐसे किसान जिन्होंने इस पद्धति को नहीं अपनाया हैं, कृपया इस समय अपने खेत की गहरी जुताई करें। उसके पश्चात विपरीत दिशा में कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें। सामान्य वर्षों में विपरीत दिशा में दो बार कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें। Deep summer ploughing once in 3 years, is beneficial practice in order to have yield stability. Therefore, those farmers who have not yet done this, are advised to carry out the same followed by two criss-cross harrowing. In normal years, field may be prepared using criss-cross harrowing followed by planking.</p>



<p>4.</p>	<p>कार्बनिक खाद का प्रयोग: पोषण प्रबंधन के लिए, अंतिम बखरनी से पूर्व गोबर की खाद (5-10 टन/हे) या मुर्गी की खाद (2.5 टन/हे) को खेत में फैलाकर अच्छे तरह मिला दे.</p> <p>Use of Organic Manure: Apply well-decomposed FYM @ 5-10 t/ha or Poultry Manure @ 2.5 t/ha before the last harrowing.</p>	 <p>गोबर की खाद को खेत में फैलाए.</p>
<p>5.</p>	<p>किस्मों का चयन: अपने जलवायु क्षेत्र के लिए अनुकूल विभिन्न समयावधि में पकनेवाली न्यूनतम 2-3 नोटिफाइड सोयाबीन की किस्मों का चयन कर बीज उपलब्धता सुनिश्चित करें (परिशिष्ट 1).</p> <p>ऐसे किसान जो सोयाबीन के बाद आलू, प्याज, लहसुन जैसी फसल लेकर गेहूं/चना लगते हो, सोयाबीन की शीघ्र समयावधि वाली किस्म को लगाये. उसी प्रकार वर्ष में केवल दो फसलें लेने वाले कृषक मध्यम/अधिक समय परिपक्वता अवधि वाली किस्मों का चयन करें.</p>	
<p>Choice of cultivars: Select 2-3 soybean varieties recommended for your area and ensure the availability of seed (Table-3).</p> <p>Farmers who grows three crops in succession (Soybean: Potato/Garlic/Onion: Wheat/Chickpea for example) are advised to select short duration soybean varieties. Similarly those who are able to take only one succeeding crop after soybean (Wheat/Chickpea) are advised to select medium/long duration soybean varieties for ensuring maximum soybean yield.</p>		
<p>6.</p>	<p>उपलब्धता अनुसार अपने खेत में विपरीत दिशाओं में 10 मीटर के अंतराल पर सब-सोइलर नामक यन्त्र को चलाये, जिससे भूमि की जलधारण क्षमता में वृद्धि होगी, एवं सूखे की अनपेक्षित स्थिति में फसल को अधिक दिन तक बचाने में सहायता मिलेगी.</p> <p>As per suitability, farmers are advised to run sub-soiler machine at an interval of 10 m which facilitate the breaking of hard soil pan thereby increasing the rain water infiltration.</p>	 <p>ट्रेक्टर आधारित सब-सोइलर यंत्र</p>
<p>7.</p>	<p>विगत कुछ वर्षों से फसल में सुखा, अतिवृष्टि या असामयिक वर्षा जैसी घटनाये देखि जा रही हैं. ऐसी विपरीत परिस्थितियों में फसल को बचाने हेतु सलाह है कि सोयाबीन की बोवनी के लिए बी.बी.एफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या (रिज-फरो पद्धति) कुड-मेड-प्राणाली का चयन करें तथा सम्बंधित यन्त्र या उपकरणों का प्रबंध करें.</p> <p>The unfavorable incidences like drought or heavy rains for prolonged period as well incessant rains have been increasingly reported in recent years. The soybean farmers are requested to use Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow. This will facilitate managing the crop both in case of waterlogging as well as drought situation.</p>	 <p>चौड़ी क्यारी (BBF) पद्धति से बोवनी</p>  <p>कुड-मेड (रिज फरो) पद्धति से बोवनी</p>
<p>8.</p>	<p>उपलब्ध बीज की गुणवत्ता जांच (न्यूनतम 70% अंकुरण) लें.</p> <p>Farmers are also advised ensure the germination quality (minimum 70%) of the seed.</p>	

परिशिष्ट -1: देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनुशंसित सोयाबीन प्रजातियाँ

मध्य क्षेत्र: मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड भाग, राजस्थान, गुजरात, उत्तर-पश्चिमी महाराष्ट्र:

केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: NRC 165, JS 22-12, JS 22-16, NRC 150, NRC 152, JS 21-72, RVSM 2011-35, NRC 138, AMS 100-39, RVS 76, NRC 142, NRC 130, MACS 1520, RSC 10-46, RSC 10-52, AMS-MB 5-18, AMS 1001, JS 20-116, JS 20-94, JS 20-98, NRC 127

राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित: मध्य प्रदेश NRC 157, NRC 131, NRC 136 :

महाराष्ट्र: MAUS 725, Phule Durva (KDS 992)

2. पूर्वी क्षेत्र (छत्तीसगढ़, झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल तथा .3 उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र: (असम, मेघालय, मणीपुर, नागालैण्ड व सिक्किम)

केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: RSC 11-35, RSC 10-71, RSC 10-52, MACS 1407, MACS 1460, NRC 132, NRC 147, NRC 128, NRC 136, NRC SL-1, RSC 11-07, RSC 11-46, AMS 2014-1 (Purva), DSB 32, JS 20-116, KDS 753 (Phule Sangam), Kota Soya 1, Chhattisgarh Soya 1.

राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित किस्में:

छत्तीसगढ़: छत्तीसगढ़ सोया ; झारखण्ड: बिरसा सोया-3, बिरसा सोया-4 ; मेघालय: उमियम सोयाबीन-1; हिमाचल प्रदेश: हिम पालम हरा सोया-1 ; जम्मू कश्मीर : शालीमार सोयाबीन-2

4. उत्तरी मैदानी क्षेत्र: पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के पूर्वी मैदान, मैदानी-उत्तराखण्ड एवं पूर्वी बिहार

केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: PS 1640, SL-1074, SL-1028, NRC 128, SL-979, SL-955, Pant Soya 26, PS 1477, SL-958, Pusa -12

राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित किस्में: उत्तराखंड: उत्तराखंड काला सोयाबीन, पी.एस. 1521, पन्त सोयाबीन - 23, पन्त सोयाबीन-21, पी.एस. 1368

5. उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र: हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र:

केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: VL Soya 99, Pant Soybean-25, VL Soya 89

राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित किस्में: हिमाचल प्रदेश :हिम पालम सोया1-; उत्तराखंड: वी.एल.भट्ट 201, वी.एल.सोया-77

6. दक्षिणी क्षेत्र: कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र का दक्षिणी भाग

केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: MACS-NRC 1667, Karune, NRC 142, MACS 1460, AMS 2014-1, RSC 11-07, NRC 132, NRC 147, DSb 34, KDS 753 (Phule Kimaya), KDS 726 (Phule Sangam), DSb 23, MAUS 612, MACS 1281, KDS 344, MAUS 162, MACS 1188

राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित किस्में:

तेलंगाना: ALSB-50, बसार ; महाराष्ट्र : एम.ए.यु.एस. 725, फूले दूर्वा (के.डी.एस. 992), AMS-1001; कर्नाटक: के.बी.एस. 23

तालिका-1 देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सोयाबीन बोवनी का उपयुक्त समय

क्षेत्र Zone	उचित बुआई का समय*	बीज दर (कि.ग्रा./हे.)	कतारों की दूरी (सेमी.)
मध्य (Central)	जून June 20- 5जुलाई/July	65	45
उत्तर पूर्वी पहाड़ी (North-East Hill)	15- 30जून/June	55	45
उत्तर मैदानी (Northern Plain)	जून June 20- 5जुलाई/July	65	45
पूर्वी (Eastern)	15- 30जून/June	55	45
दक्षिण (Southern)	15- 30जून/June	65	30

*मानसून के आगमन पश्चात 100 मिमी. वर्षा होने पर

तालिका-2 विभिन्न क्षेत्रों के लिए पोषक तत्वों की मात्रा एवं उनके स्रोत

क्षेत्र Zone	एन:पी:के:एस (कि.ग्रा./हे.) NPKS (kg/ha)	उर्वरकों के स्रोत एवं मात्रा Fertilizer Sources and Quantity
मध्य (Central)	25:60:40:20	56 कि .ग्रा यूरिया, 375कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 67कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
दक्षिण (Southern)	25:80:20:30	56 कि .ग्रा यूरिया, 500कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 34कि.ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर मैदानी (Northern Plain)	25:75:25:37.5	56 कि .ग्रा यूरिया, 470कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 42कि. ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र एवं पूर्वी क्षेत्र (North-East Hill) and Eastern Zone	25:100:50:50	56 कि .ग्रा यूरिया, 625कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 84कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश

तालिका-3: सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशकों की सूची

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.	प्रभावकारिता
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3.0 ली.	दोनों प्रकार के खरपतवार
2	बौवनी के तुरन्त बाद (PE)	डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम	चौड़ी पत्ती वाले
		सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.	दोनों प्रकार
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.50 - 2.00 ली.	दोनों प्रकार
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.50-3.30 ली.	दोनों प्रकार
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.50-1.75 कि.ग्रा.	दोनों प्रकार
		फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी.	0.25 ली.	चौड़ी पत्ती वाले
		मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1.00 कि.ग्रा.	दोनों प्रकार
		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.	दोनों प्रकार
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्रा.	दोनों प्रकार
मेटालोक्लोर 50 ई.सी.	2.00 ली.	दोनों प्रकार		

3	अ .बौवनी के 12-10 दिन बाद (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम	दोनों प्रकार
		बेन्टाझोन 48 एस.एल.	2.00 ली.	दोनों प्रकार
	ब .बौवनी के 20-15 दिन बाद (POE)	इमेझेथापायर 10 एस.एल. +सर्फेक्टेन्ट	1.00 ली.	घासवर्गीय
		इमेझेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.	दोनों प्रकार
		इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्रा.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाप इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाप-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.	दोनों प्रकार
		फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 9.3 ई.सी.	1.11 ली.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.	दोनों प्रकार
		फ्ल्यूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1.00-2.00 ली.	दोनों प्रकार
		हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1.0-1.25 ली.	घासवर्गीय
		प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी.	0.50-0.75 ली.	दोनों प्रकार
		क्लेथोडियम 25 ई.सी.	0.50 -0.70 ली.	दोनों प्रकार
		फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी.	125 मि.ली.	दोनों प्रकार
	स .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक (POE)	फ्लूआजिआफॉप-पी-ब्युटाईल+फोमेसाफेन	1.00 ली.	घासवर्गीय
		इमाझेथापायर+इमेजामॉक्स	100 ग्रा.	दोनों प्रकार
		प्रोपाक्विजाफॉप+इमाझेथापायर	2.00 ली.	दोनों प्रकार
		सोडियम एसीफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाप प्रोपारगील	1.00 ली.	दोनों प्रकार
		फोमेसाफेन+ क्विजालोफाप इथाईल	1.50 ली.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाप इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल+ सर्फेक्टेन्ट	375 मिली+36 ग्रा.+0.2%	दोनों प्रकार
फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाप-इथाईल 10% EC		0.50 ली.	दोनों प्रकार	
क्विजालोफाप-इथाईल 7.5% + इमेझेथापायर 15% w/w EC		0.50 ली.	दोनों प्रकार	

तालिका 4: बोवनी के समय उपयोगी फफूंदनाशक, कीटनाशक एवं जैविक कल्चर की मात्रा

अनुशंसित फफूंदनाशक	मात्रा
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ. एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
पेनफ्लूफेन 13.28% w/w +ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन 13.28% w/w FS	0.8-1 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
फ्लुक्सापग्रोक्साड 333 g/l SC	1 ml/kg seed
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बेन्डाजिम 12%+ मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5%	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
अनुशंसित कीटनाशक	
थायोमिथोक्सम 30 एफ.एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस.	1.25 मि.ली./कि.ग्रा.बीज
अनुशंसित जैविक कल्चर	
ब्रेडीराइजोवियम कल्चर + पीएसबी कल्चर	दोनों (5 ग्राम/कि.ग्रा बीज)
जैविक फफूंदनाशक <i>ट्राइकोडर्मा विरिडी</i>	8-10 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज

.....